श्री लक्ष्मी आरती

www.anipdf.com

॥ प्रारंभ॥

ॐ जय लक्ष्मी माता, तुमको निस दिन सेवत ।
मैया जी को निस दिन सेवत, हर विष्णु विधाता ॥
जय लक्ष्मी माता ॥

उमा रमा ब्रम्हाणी, तुम ही जग माता ।
सूर्य चन्द्र माँ ध्यावत, नारद ऋषि गाता ॥
जय लक्ष्मी माता ॥

दुर्गा रूप निरंजनी, सुख सम्पति दाता ।
जो कोई तुम को ध्यावत, ऋद्धि सिद्धि धन पाता ॥
जय लक्ष्मी माता ॥

तुम पाताल निवासिनी, तुम ही शुभ दाता ।
कर्म प्रभाव प्रकाशिनी, भव निधि की दाता ॥
जय लक्ष्मी माता ॥

www.anipdf.com

जिस घर तुम रहती तहँ सब सदगुण आता ।
सब सम्ब्नव हो जाता, मन नहीं घबराता ।।
जय लक्ष्मी माता ।।

तुम बिन यज्ञ न होता, वस्त्र न कोई पाता ।
खान पान का वैभव, सब तुम से आता ।।
जय लक्ष्मी माता ।।

शुभ गुण मंदिर सुन्दर, क्षीरोदधि जाता ।
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता ।।
जय लक्ष्मी माता ।।

महा लक्ष्मीजी की आरती, जो कोई जन गाता ।
उर आनंद समाता, पाप उतर जाता ।।
जय लक्ष्मी माता ।।

www.anipdf.com